अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिज़र्व

स्रोत: द हिंदू

सर्वोच्च न्यायालय ने **गैर-वानिकी गतिविधियों** और **अतिक्रमण** की पहचान करने के उद्देश्य से **केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC)** को **अगस्त्यमलाई भू-परिदृश्य** का विस्तृत सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है।

- **सर्वेक्षण का उद्देश्य:** उन सभी गैर-वानिकी गतिविधियों की पहचान करना जो **वन संरक्षण अधिनियम, 1980** और **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** जैसे सांविधिक अधिनियमों का उल्लंघन हैं।
  - **वन क्षरण की सीमा को उजागर करने के लिये तुलनात्मक वन आवरण डेटा उपलब्ध कराना।**
- सर्वेक्षण के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्र:
  - पेरियार टाइगर रिज़र्व
  - श्रीविल्लीपुत्तूर ग्रिज़ल्ड गिलहरी वन्यजीव अभयारण्य
  - मेघमलई वन्यजीव अभयारण्य
  - तिरुनेलवेली वन्यजीव अभयारण्य
- अगस्त्यमलाई: यह UNESCO द्वारा मान्यता प्राप्त 3,500 वर्ग किलोमीटर के बायोस्फीयर रिज़र्व का हिस्सा है।
  - यह पश्चिमी घाट के सुदूर दक्षिणी भाग में **तमिलनाडु और केरल तक विस्तृत** है।
  - नीलक्कुरिंजी फूल, जो 12 वर्ष में एक बार खिलता है, इसी भू-परिदृश्य में पाया जाता है।
  - इस क्षेत्र में **लायन-टेल्ड मेकाक**, **बंगाल टाइगर**, नीलगिरि मार्टन, नीलगिरि तहर, मालाबार स्पाइनी डोरमाउस, ग्रेट पाइड हॉर्नबिल, गौर (भारतीय बाइसन), **स्लॉथ भालू** पाए जाते हैं।
  - **इस क्षेत्र में स्थानीय समुदाय, विशेषकर** कानी जनजाति **निवास करती है।**

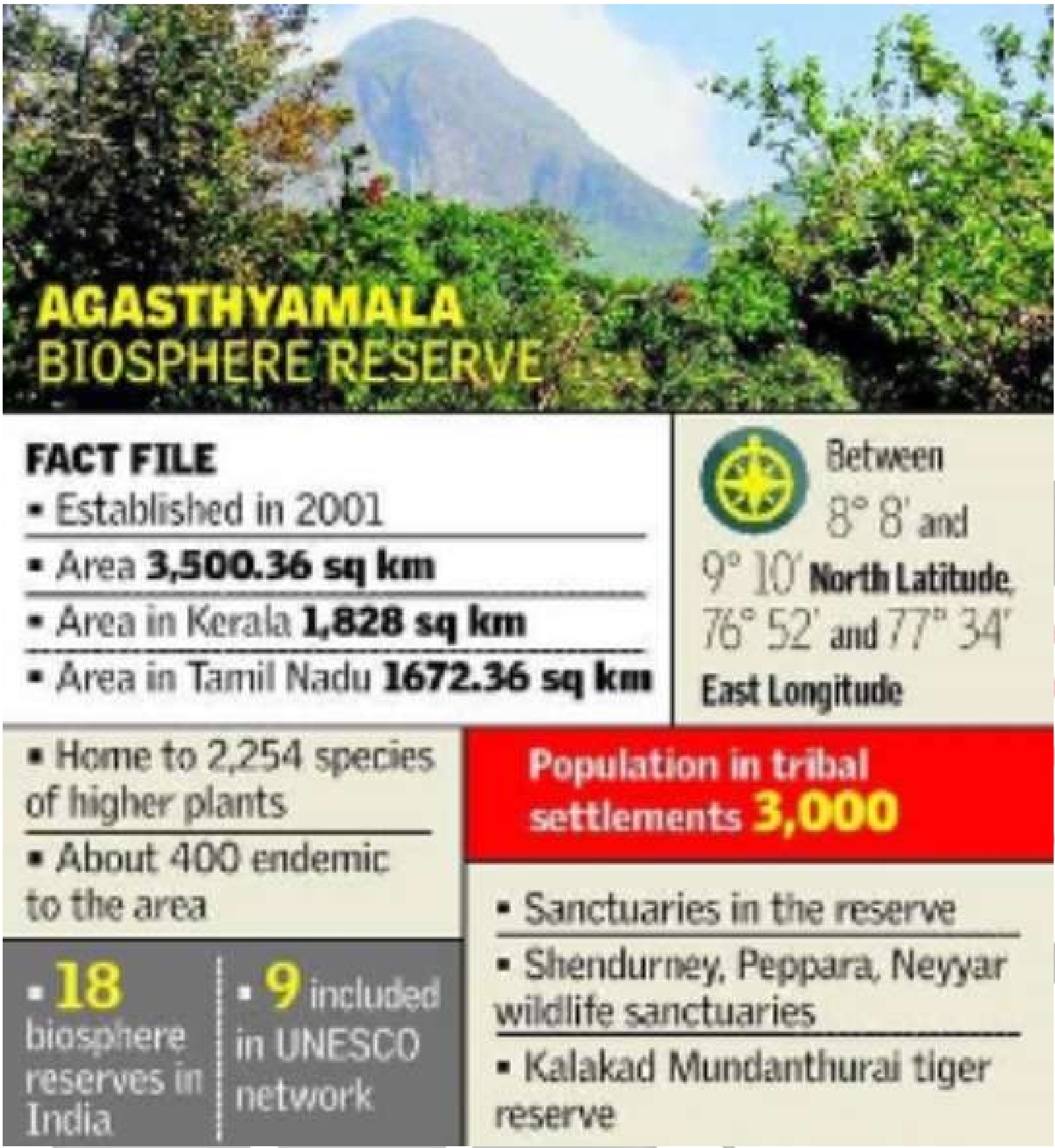

और पढ़ें: [अगसत्यावनम बायोलॉजिकल पारक]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agasthyamalai-biosphere-reserve